

**वज्रपाणि** पुं. (तत्.) दे. वज्रधर।

**वज्रपात** पुं. (तत्.) 1. वज्र का गिरना, वज्र का आघात 2. आकाशीय बिजली गिरना ला.अर्थ भयंकर विपत्ति।

**वज्रभुज** वि. (तत्.) वज्र जैसी कठोर भुजाओं वाला।

**वज्रमणि** पुं. (तत्.) हीरा, हीरकमणि।

**वज्रयान** पुं. (तत्.) बौद्ध संप्रदाय का एक विशेष पंथ जिसमें तंत्रशास्त्र की प्रमुखता है।

**वज्रलेप** पुं. (तत्.) वज्र की तरह कठोरता से जम जाने वाला लेप टि. मूर्ति आदि पर एक प्रकार का लेप चढ़ाया जाता है जो उन्हें संरक्षण और स्थायित्व प्रदान करता है।

**वज्रसार** वि. (तत्.) वज्र के समान कठोर पुं. हीरा।

**वज्रहस्त** पुं. (तत्.) दे. वज्रधर।

**वज्रहृदय** वि. (तत्.) कठोर हृदय वाला, निष्ठुर पुं. कठोर हृदय।

**वज्रांग** पुं. (तत्.) वज्र जैसे शरीर वाला वीर, हनुमान, बजरंग।

**वज्राकर** पुं. (तत्.) हीरे की खान।

**वज्राघात** पुं. (तत्.) दे. वज्रपात।

**वज्राधिक** वि. (तत्.) वज्र से भी अधिक (कठोर या संहारक)।

**वज्रायुध** पुं. (तत्.) इंद्र।

**वज्रावर्त** पुं. (तत्.) एक प्रकार के मेघ का नाम।

**वज्रासन** पुं. (तत्.) योगासन का एक प्रकार जिसमें साधक घुटने मिलाकर तथा पैर के पंजे पीछे रखकर एड़ियों पर बैठता है और कमर सीधी रखते हुए हथेलियों को घुटनों पर रख लेता है, यह आसन भोजन के बाद भी किया जा सकता है, पाचन के लिए यह अत्यंत उपयोगी होता है।

**वज्री** पुं. (तत्.) इंद्र।

**वज्रोली** स्त्री. (तत्.) हठयोग साधना में हाथ की अंगुलियों से बनाई जाने वाली विशिष्ट मुद्रा।

**वट** पुं. (तत्.) 1. बरगद का वृक्ष 2. गोली या उस आकार की कोई वस्तु।

**वटक** पुं. (तत्.) 1. गोल वस्तु 2. बड़ा, पकौड़ा आदि पकवान 3. एक प्राचीन तौल, बट्टा।

**वटपत्री** स्त्री. (तत्.) वटवृक्ष के पत्ते पुं. (तत्.) 1. वट के पत्तों जैसे पत्तों वाला एक पौधा जो ज्यादा बड़ा नहीं होता 2. पत्थर फोड़ नामक पौधा, जिसका प्रयोग मसालों में होता है।

**वटवासी** पुं. (तत्.) वटवृक्ष पर निवास करने वाला।

**वटसावित्री** पुं. (तत्.) दे. वटसावित्री व्रत।

**वटसावित्री व्रत** पुं. (तत्.) सुहागिन स्त्रियों द्वारा सौभाग्य रक्षा के लिए ज्येष्ठ मास में किया जाने वाला व्रत, उपवास, वटवृक्ष का पूजन तथा सत्यवान्-सावित्री की कथा का श्रवण, इस व्रत के मुख्य अंग हैं, उत्तर भारत में अमावस्या तथा दक्षिण भारत में पूर्णिमा को यह व्रत किया जाता है।

**वटिका** स्त्री. (तत्.) 1. टिकिया 2. ओषधि की गोली 3. बड़ी नामक खाद्य पदार्थ।

**वटी** पुं. (तत्.) दे. वटिका।

**वटु** पुं. (तत्.) 1. बालक 2. ब्रह्मचारी, वटु।

**वटुक** पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मचारी 2. भैरव का एक रूप।

**वडवाग्नि** पुं. (तत्.) अग्नि के तीन प्रकारों में से एक, समुद्र में लगने वाली आग, बडवाग्नि।

**वडवानल** पुं. (तत्.) दे. वडवाग्नि।

**वणिक** पुं. (तत्.) व्यापारी, बनिया।

**वणिक वृत्ति** स्त्री. (तत्.) 1. वणिक का व्यवसाय, व्यापार 2. वणिक का स्वभाव।

**वणिक-सार्थ** पुं. (तत्.) व्यापारियों का यात्रादल, काफिला।

**वतंस** पुं. (तत्.) 1. गले में पहना जाने वाला हार 2. गोल कर्णाभूषण टि. पाणिनी के अनुसार शुद्ध